

नहीं किया अपितु जनसाधारण को तथा पशु-पक्षी को भी अत्यधिक नुकसान पहुंचाया करोड़ों रुपए की फसल चौपट हो गई। गेहूं, चना, इत्यादि की फसल शत-प्रतिशत नष्ट हो गई। कितने ही कुएँ धंस गये। हजारों की संख्या में बेचारे पशु-पक्षी मर गये। मवेशियों का भारी मात्रा में नुकसान हुआ। गरीब जनता के सैकड़ों झोपड़े गिर गये, विशेषकर राजगढ़ गुना तथा विदिशा जिला इस की चपेट में आया। इन जिलों में करोड़ों रूपयों का नुकसान हुआ।

ऐसे दुर्भाग्यपूर्ण समय में केन्द्र सरकार को चाहिये कि वह ग्रामित जनता को अधिक से अधिक अनाज उपलब्ध करावे—लोगों को आर्थिक सहायता दी जाय। राज्य शासन द्वारा मांग की पूर्ति शीघ्र की जाय जिस से कि तत्काल प्रभावित क्षेत्रों में राहत कार्य खोले जा सकें। प्रभावित क्षेत्रों की जनता से राजस्व वसूली, तकावी वसूली तथा बैंकों के ऋण की वसूली भी माफ की जाय अथवा स्थगित की जाय।

जो भी थोड़ी सी फसल बची है उसे बचाने के लिये कीटनाशक औषधियां तत्काल ही भेजी जानी चाहिये और किस नों को मुफ्त वितरण होना चाहिये।

इसी प्रकार देश के अन्य प्रदेश भी ओलावृष्टि से प्रभावित हुए हैं। केन्द्र सरकार को युद्ध स्तर पर इस समस्या पर विचार एवं कार्य करना चाहिये। इस समस्या पर सरकार क्या कदम उठा रही है, इत्यादि विवरण सदन में बताये।

(iii) NEED FOR FIXING A MINIMUM PRICE FOR JAGGERY AND USING SUGAR-CANE FOR MANUFACTURING ALCOHOL.

SHRI P. RAJAGOPAL NAIDU (Chittoor): Under Rule 377, I am making a statement.

About 55 per cent of sugar cane in the country is converted into Jaggery. Almost all jaggery producers are either small or marginal farmers. Jaggery production has become a cottage or primary industry and it is absorbing lakhs of agricultural workers.

At present the Jaggery prices went so low that the prices are not even equal to cost of cultivation and, therefore, jaggery producers are getting a loss and agricultural workers continue to suffer.

I am glad to say that our Government has allowed export of jaggery to the other countries but the price is not rising.

I urge upon the Government to find out the reasons for it and help the agriculturists by fixing minimum price for the Jaggery and purchase the commodity so that the jaggery producers may not be put to losses.

I also request to start more sugar factories to consume more cane so that production of jaggery is reduced.

Manufacture of power alcohol is within the capacity of our Government. If licences are given for the manufacture of this commodity from sugarcane juice then this alcohol will be useful to run the transport vehicles as in other countries thereby reducing the import of diesel and other oil.

It is, therefore, requested to utilise sugar cane to manufacture power alcohol.

(iv) NEED FOR RELIEF MEASURES FOR FAMINE AFFECTED TEHSILS IN PALI DISTRICT OF RAJASTHAN.

श्री मूल चन्द डागा (पाली) : उपाध्यक्ष महोदय, कर्तव्य ने मुझे बाध्य कर दिया है कि मैं अपने संसदीय निर्वाचन क्षेत्र पाली राजस्थान में पाली जिले की विशेष रूप से तहसील पाली में समस्त